Independence Day Address by Professor Arun Kumar Grover, Vice Chancellor, Panjab University, on August 15, 2014

हमारे स्कूल के प्रिय विद्यार्थियों, उनके शिक्षक गणो, सुरक्षा कर्मियों, पंजाब विश्वविद्यालय के स्नातकों, विद्यार्थियो, अध्यापको, विश्वविद्यालय के कर्मचारियो आमंत्रित अतिथियो, समाचार पत्रो एवं मीडिया के प्रतिनिधियो, बहनो और भाइयो,

भारत की स्वाधीनता के सतासठ वर्ष पूरे होने पर मैं आप सब को बधाई देता हूँ। पिछला एक वर्ष हमारे विश्वविद्यालय के लिए बहुत सी उपलब्धियों का वर्ष रहा है। ग्यारह मास पूर्व सितम्बर 2013 में, पंजाब विश्वविद्यालय को पहली बार स्वतंत्र भारत में देश का नंबर एक के शिक्षण संस्थान का दर्जा एक विदेशी एजेंसी ने दिया। लंदन से संचालित थोमसन रूटरज़ के आंकड़ो के आधार पर टाईमज़ हायर ऐजूकेशन सर्वे, ने पंजाब विश्वविद्यालय को सारी दुनिया में 226 से लेकर 250 तक की वरीयता प्राप्त यूनिवर्सिटीज़ में रखा। ऐसा दर्जा अपने आप में तो कोई महत्त्वपूर्ण उपलब्धि नहीं कही जा सकती पर चूंकि भारत का कोई भी परंपरागत विश्वविद्यालय इससे पूर्व तीन सौ से कम कम का स्थान नहीं ले पाया था, इसलिए बहुत से इलाकों में पंजाब विश्वविद्यालय के इस प्रदर्शन को आश्चर्यचकित दृष्टि से देखा गया । हमसे पहले 2012 में आई आई टी खड़गपुर का स्थान 226 – 250 के बीच में था, जो 2013 में पिछड़ कर 376 – 400 के बीच पर पहुँच गया। जब छानबीन और विश्लेषण शुरु हुआ और यह पाया गया कि भारत की उच्च शिक्षा की कई नामीं संस्थाएं टाइम्स हायर एजूकेशन सर्वे को आंकड़े प्रदान नहीं करती है। नवंबर 2013 में केन्द्रीय सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग ने अपने ही मूल्यांकन के आधार पर पंजाब विश्वविद्यालय को भारत के पहले पांच विश्वविद्यालयों में आंका और पर्स ग्रांट Phase-II के लिए 35 करोड़ की ग्रांट का आश्वासन दिया। डी. एस. टी के मूल्यांकन में दिल्ली यूनिवर्सिटी पहले स्थान पर थी और उसे 40 करोड़ की ग्रांट का आश्वासन मिला । कुछ महीनों बाद Careers-360 के राष्ट्रीय सर्वे में जिसमें भारत के सभी उच्च शिक्षा व

अनुसंधान के संस्थान शामिल थे, दिल्ली यूनिवर्सिटी का स्थान चौथा और पंजाब विश्वविद्यालय का स्थान सातवां आंका गया। इस सर्वे में इंडियन इंस्टीटयूट आफ सांईस, बैंगलोर का स्थान पहला, एम्स का स्थान छठा, Jawahar Lal Nehru Centre for Advanced Scientific Research का स्थान आठवां एवं Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai का स्थान ग्यारवां था। इसके पश्चात् भारत के व्यापारियों और उद्योगपतियों को प्रमुख संस्था एसोचम ने पंजाब विश्वविद्यालय को 2014 में भारत के सर्वश्रेष्ठ सरकारी विश्वविद्यालय का दर्जा दिया। अच्छे स्थान के फलस्वरूप देश की और दुनिया की निगाहें अब हम सब पर हैं। इससे हमारे यहाँ से पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को अच्छी नौकरी मिलने में कुछ सुविधा हुई है, हमारे यहाँ अध्यापकों के रिक्त स्थान भरने के लिए और भी अच्छे आवेदको ने आवेदन किया है, बहुत सारे आवेदक अपने खर्चे पर विदेशो से भी साक्षात्कार देने आये हैं। केंद्रीय सरकार के कई मंत्रालयों ने नई स्कीमों को कार्यान्वित करने के लिये हमें चुना है। इन सब से विद्यार्थियों और अध्यापकों में एक नया उत्साह है और एक नया आत्मविश्वास उभर रहा है। मेरे लिए यह बहुत संतोष की बात है।

You may be aware that Panjab University has been chosen to assume several new national responsibilities in the year 2014. For instance, Department of Science and Technology has asked us to create Centre for Policy Research at Chandigarh and promote Industry Academic Interaction on behalf of the Universities of India. Department of Biotechnology of Union Government has entrusted us the responsibility of University Innovation Centre, where the incubation of new technologies can be facilitated for entrepreneurs. All the institutions in and around Chandigarh, which have become part of Chandigarh Region Innovation and Knowledge Cluster can benefit from University Innovation Centre. The coming together of institutions under the umbrella of CRIKC has attracted the attention of Planning Commission, Ministry of Human Resource and Development as well as the Internationalising Higher Education Division of British Council in Mumbai. Delegations from British and Australian Universities have visited our campus and sought MoUs with PU. British Council also sponsored the visit of a delegation from CRIKC institutions for visit to Universities of London, Cambridge. Birmingham and Nottingham in June, 2014. Early this week on August 11, 2014, P.U.

signed a MoU with one of the largest Universities in Australia, namely, University of Western Sydney. The Vice Chancellor of UWS accompanied with six of their Deans visited us and all the Deans of our faculties had a joint meeting with them to explore the ways of promoting joint research projects and exchange of students and teachers. The two Universities have set up a Sub-Committee to follow up on these new initiatives.

The visit of UGC Chairman Prof. Ved Prakash yesterday to our Campus is also a part of new opportunities that have opened up for the University in the background of good ranking of PU in different national and international surveys. Prof. Ved Prakash's webcast to the nation titled, 'Impetus to Research in Indian Universities: Strategies Planning and Work Plan' is a first step to prepare a new blue print for presentation to UGC and the Union Government of India for enabling selected Universities like ours to a higher level of performance, comparable to top Research Universities in the Western World and Asian Countries like, Japan, Korea, China and Singapore. Six months ago, the President of India, Shri Pranab Mukherjee had asked Indian Universities to aim to cross the psychological barrier of first 200 ranks. Panjab University has the potential to overcome this hurdle in near future and I would like to spur my colleagues and the young students to accept this challenge.

UGC Chairman Ved Prakash जी ने कल एक नई इमारत बेसिक मेडिकल साइंसज, ब्लाक - II डिपार्टमैंट की एक नई प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। Department of Microbiology of पंजाब यूनिवर्सिटी अपने देश का पहला Microbiology डिपार्टमेंट है। जब शुरुआत 1964 में हुई थी। 2014 Microbiology डिपार्टमेंट की स्वर्ण जयंती का वर्ष है। यू जी सी अध्यक्ष ऐस विभाग की नई प्रयोगशाला और वहाँ काम करते हुए भारत के विभिन्न राज्यों से शोध-छात्रों को मिलकर बहुत ही खुश हो कर गये हैं। मुझे उम्मीद है कि Basic Medical Science Block I and Block II के 4 विभाग की सारी जरुरतों पर अब यू जी सी साकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा, और ये चारों विभाग यू जी सी के कैस का दर्जा प्राप्त करेंगे। जिस तरह सैक्टर-14 में गणित, कैमिस्ट्री, फिज़िक्स और ज़ियोलिज़ी कैस का cluser core areas of Physical Sciences में हैं, उसी तरह का CAS cluster Inter-disciplinary areas of Medical Sciences में पंजाब यूनिवर्सिटी दक्षिण कैम्पस की पहचान बनेगा

2014 – 15 का वित्तीय वर्ष हमारे लिए पहला साल है जब केन्द्र के अनुदान की 100 Crore की पहली किस्त हमें अगस्त में ही मिल गई है। अब हमें इसी साल के संशोधित अनुमान को 30 सितम्बर तक UGC को पहुँचाना है। विश्वविद्यालय का घाटा हर साल महंगाई दर की तुलना में ज्यादा रफतार से बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय की अपनी आय महंगाई दर से तो बहुत कम रफतार में बढ़ रही है। ऐसी स्थिति हमारे लिए काफी कठिनाईयाँ पैदा कर सकती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अभी – अभी जो कर्मचारी तदर्थ् आधार पर दस साल पूरे कर चुके थे उनको नियमित किया है। दिहाड़ीदार आधार पर काम कर रहे सुरक्षा कर्मियों के लिए कुछ करने की जरुरत है। कर्मचारी कल्याण के लिए कितना और कुछ हम कर पायेंगे, यह सब कुछ केन्द्र सरकार के ऊपर निर्भर करेगा। अगर यूनिवर्सिटी अपनी जगह में सुधार कर सकी और केन्द्र सरकार के समर्थन की उम्मीद कायम रहेगी।

Students, teachers, supporting staff, administrative staff, regulatory and governing bodies, like, Syndicate and staff सब को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। अगर हम सब के साथ तालमेल बना कर काम करेंगे तो इन मुश्किलों के हल ढूंढ सकेंगे।

To end my address, on the occasion of the Independence Day, I would like to appeal to all the stake holders of Panjab University to continue to work in a harmonious manner.

Thank You,

Please join me in saying Jai Hind -- Jai Hind – Jai Hind